**जिला प्रशासन अनाथ और असहाय बच्चों की सम्पूर्ण सुरक्षा और उनके विकास के हर सम्भव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर, "बच्चों से दोस्ती" सप्ताह के अवसर पर पूर्वान्ह 11:00 अनाथ और असहाय बच्चों को शुभकानाएं व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की जिलाधिकारी रमाकांत पाण्डे द्वारा की गई कामना**

**बिजनौर 18 नवम्बर,2020:–** जिलाधिकारी रमाकांत पाण्डे द्वारा आज कलैक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में **"बच्चों से दोस्ती"** सप्ताह के अवसर पर पूर्वान्ह 11:00 अनाथ और असहाय बच्चों को शुभकानाएं व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई और विश्वास दिलाया गया है कि जिला प्रशासन उनकी सम्पूर्ण सुरक्षा और उनके विकास के हर सम्भव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। बच्चों द्वारा इस अवसर पर जिलाधिकारी की कलाई पर बच्चों से दोस्ती स्लोगन पट्टिका बांधी गई। इस मौक़े पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनोद कुमार गौड़, उप जिला मजिस्ट्रेट परमानन्द झा सहित संस्था के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

जिलाधिकारी रमाकांत पाण्डेय ने इस अवसर पर कहा कि **"बच्चों से दोस्ती"** सप्ताह मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य सभी बच्चों को उनके अधिकारों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं व्यापक प्रचार–प्रसार करना है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में आज भी लाखों बच्चे सुरक्षा के सुरक्षा नेटवर्क से बाहर हैं और अभी भी बाल श्रम, ड्राप आउट, ट्रैफिकिंग, डेडलॉक और यौन शोषण के जाल में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अनाथ, असहाय तथा दिव्यांग बच्चों की समुचित सुरक्षा एवं विकास के लिए शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा विभिन्न अपराधों के शिकार बच्चों को निःशुल्क कानूनी एवं आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने समाज के प्रबुध नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं का आहवान किया कि **"बच्चों से दोस्ती"** सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत समाज में बच्चों की सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता अभियान, ऑनलाइन सुरक्षा और नशीली दवाओं तथा इंटरनेट का दुरुपयोग, बाल विवाह की रोकथाम, बाल शोषण, मानव तस्करी, आदि के बारे में जागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन करें ताकि समाज में बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजगता और गंभीरता पैदा हो सके। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए यह सुनिश्चित करना है कि हमारे बच्चे ऐसे माहौल में बड़े हों, जिसमें अनुकूल एंव प्रतिकूल परिस्थितियों और पृष्ठभूमि के बावजूद उनमें आत्मविश्वास, मित्रता, सुरक्षा और खुशी का निर्माण हो। प्रत्येक बच्चा हमारे समुदाय का हिस्सा है और सभी बच्चों को पोषित और मूल्यवान बनाने के लिए सब लोगों को सामुहिक रूप से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों का हनन रोकने के लिए 1098–चाइल्ड हेल्पलाइन को व्यापक रूप से प्रचारित एवं प्रसारित करने के निर्देश दिए ताकि बच्चे मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल विवाह और बाल ड्रॉपआउट से सुरक्षित रहें।

CHILDLINE